को।

## 'अगली पीढी की शिक्षा' विषय पर कार्यकम का आयोजन

# तीन दिवसी फैकल्टी डेवलॉपमेन्ट प्रोग्राम का उद्घाटन

अमर हिंदुस्तान

**देहरादून।** वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्याल यूटीयू के नव स्थापित एकैडमिक स्टॉफ डेवलॉपमेन्ट सेन्टर द्वारा 'अगली पीढी की शिक्षा' विषय पर वीरवार को विश्वविद्यालय के सभागार में प्रो हेम चन्द्र, कुलपति एचएनबी उत्तराखण्ड मेडिकल युनिवर्सिटी ने बतौर मुख्य अतिथि तीन दिवसी फैकल्टी डेवलॉपमेन्ट प्रोग्राम का दीप प्रज्जवलित उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में तकनीकी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों के 10 सम्बद्ध कालेजों के शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो हेम चन्द्र द्वारा अपने उदबोधन में कहा कि तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर आयोजित किये जा रहे इस तरह फैकल्टी डेवलॉपमेन्ट प्रोग्राम से नये-नये नवाचार कर तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र को और विकसित करने के हरसम्भव प्रयास हो रहे हैं जिसकी प्रदेश व तकनीकी शिक्षा को जरूरत भी है तथा तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा को बढावा देने में उन्नतशील है। तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओंकार सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शिक्षकों का आह्वान किया कि वर्तमान में देश दुनिया में अपनायी जा रही नयी-नयी तकनीकों से शिक्षित हो कर छात्रों को सही दिशा में तकनीकी का प्रयोग करने हेतु प्रेरित करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोट स्पीकर प्रो आईके भट्ट, पूर्व निदेशक एनआईटी0 हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)/जयपुर (राजस्थान) ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान परिदृष्य में जबकि तकनीकी के क्षेत्र में नये-उचयनये प्रयोग अपनाये जा रहे हैं। ऐसी अवस्था में शिक्षकों की भूमिका, समाज को तकनीकी के माध्यम से विकसित स्वरूप प्रदान किये जाने हेतु और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। कार्यक्रम में प्रो सचिन महेश्वरी ने कहा कि ऑपरेटिव लर्निंग के बारे में शिक्षकों सम्बोधित किया। वहीं प्रो प्रदीप कुमार डिमरी जेसी बोस युनिवर्सिट मुरादाबाद ने शिक्षाको को सम्बोधित करते हुए कहा कि अगली पीढी की शिक्षा को और अधिक विकसोन्मुख बनाये जाने में शिक्षकों को अग्रसर रहना चाहिए।